भारत सरकार
विधि और न्याय मंत्रालय
विधि कार्य विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 590
जिसका उत्तर गुरुवार, 02 दिसम्बर, 2021 को दिया जाना है

पीआईएल मामलों की जानकारी

590. डा. किरोड़ी लाल मीणा :

क्या **विधि और न्याय** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) गत दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों में दायर जनहित याचिकाओं (पीआईएल) की न्यायालय-वार संख्या कितनी है ; और

(ख) विशेष रूप से मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में दायर की गई पीआईएल का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

विधि और न्याय मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) से (ख) : सूचना उपाबंध के अनुसार है ।

उपाबंध

"'पीआईएल मामलों के विवरण' " संबंधी माननीय संसद सदस्य डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, द्वारा उठाया गए राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 590 जिसका उत्तर तारीख 02.12.2021 को दिया जाना है, के उत्तर में निर्दिष्ट विवरण

<table>
<tr><th>क्र. सं.</th><th>न्यायालय का नाम</th><th>(क) पिछले दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों में दायर जनहित याचिका (पीआईएल) की संख्या, न्यायालय-वार विवरण; और</th><th>(ख) विशेष रूप से मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में दायर जनहित याचिका, उसका विवरण ?</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>माननीय उच्चतम न्यायालय</td><td colspan="2">मांगी गई जानकारी के अनुसार जानकारी का रखरखाव नहीं किया जाता है। तथापि, उच्चतम न्यायालय के विषय के अनुसार श्रेणी 08 "पत्र याचिका और जनहित याचिका मामलों" से संबंधित है और पिछले दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान भारत के उच्चतम न्यायालय में उपरोक्त विषय श्रेणी से संबंधित मामलों की कुल संख्या {आंकड़ों के अनुसार एकीकृत मामला प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईसीएमआईएस)} से पुनर्प्राप्त} नीचे सारणीबद्ध है:
<table>
<tr><th>फाइल वर्ष</th><th>कुल फाइल किए गए मामले</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>1176</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>1319</td></tr>
<tr><td>2021 23.07.2021 के अनुसार</td><td>541</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>2.</td><td>माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय</td><td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>संस्थित</th><th>निपटान</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>3343</td><td>2814</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>2812</td><td>1877</td></tr>
<tr><td>2021 (27.07.2021 की स्थिति के अनुसार)</td><td>1658</td><td>1485</td></tr>
</table></td><td>जनहित याचिकाओं का डाटा जो विशेष रूप से मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में दायर किया गया है कंप्यूटर डाटा बेस में उपलब्ध नहीं है।</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>3.</td><td>माननीय आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय</td><td></td><td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए मामलों की संख्या</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>187</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>318</td></tr>
<tr><td>2021(20.07.21 तक)</td><td>141</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>4.</td><td>माननीय बाम्बे उच्च न्यायालय</td><td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>संस्थित किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>677</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>237</td></tr>
<tr><td>2021</td><td>182</td></tr>
</table></td><td>ऐसी जनहित याचिकाओं का कोई अलग रिकॉर्ड नहीं रखा जाता है</td></tr>
</table>

<table>
<tr>
<td>5.</td>
<td>माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>272</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>260</td></tr>
<tr><td>2021 (29.07.2021 तक)</td><td>206</td></tr>
</table>
</td>
<td>204 जनहित याचिकाएं दायर की गई हैं</td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>114</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>135</td></tr>
<tr><td>2021 (25.07.2021 तक)</td><td>84</td></tr>
</table>
</td>
<td>06 जनहित याचिकाएं दायर की गई हैं</td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>415</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>435</td></tr>
<tr><td>2021(27.07.2021 तक)</td><td>234</td></tr>
</table>
</td>
<td>जहां तक इस न्यायालय का संबंध है, विभिन्न विषयों पर इस न्यायालय में दायर जनहित याचिकाओं में कई विषय कोड विनिर्दिष्ट हैं, तथापि, विशेष रूप से मूल अधिकारों से संबंधित जनहित याचिकाओं के लिए कोई विषय कोड विनिर्दिष्ट नहीं है।</td>
</tr>
<tr>
<td>8.</td>
<td>माननीय गुवाहाटी उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>129</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>143</td></tr>
<tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>94</td></tr>
</table>
</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>मूल अधिकारों का उल्लंघन के संबंध में दायर जनहित याचिकाओं की संख्या</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>60</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>70</td></tr>
<tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>35</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
<tr>
<td>9.</td>
<td>माननीय गुजरात उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>210</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>204</td></tr>
<tr><td>2021 (25.07.2021 तक)</td><td>88</td></tr>
</table>
</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>मूल अधिकारों का उल्लंघन के संबंध में दायर जनहित याचिकाओं की संख्या</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>20</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>40</td></tr>
<tr><td>2021</td><td>17</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
</table>

<table>
<tr>
<td>10.</td>
<td>माननीय हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>39</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>12</td></tr>
<tr><td>2021 (30.07.2021 तक)</td><td>18</td></tr>
</table>
</td>
<td>पिछले दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में कोई नई जनहित याचिका दायर नहीं की गई ।</td>
</tr>
<tr>
<td>11.</td>
<td>माननीय जम्मू -कश्मीर उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>संस्थित किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>86</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>109</td></tr>
<tr><td>2021</td><td>60</td></tr>
</table>
</td>
<td>दायर जनहित याचिकाओं की कुल संख्या 247 है और 68 जनहित याचिकाएं मूल अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित हैं।</td>
</tr>
<tr>
<td>12.</td>
<td>माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>160</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>151</td></tr>
<tr><td>2021 (28.07.2021 तक)</td><td>31</td></tr>
</table>
</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>मूल अधिकारों का उल्लंघन के संबंध में दायर जनहित याचिकाओं की संख्या</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>40</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>23</td></tr>
<tr><td>2021</td><td>08</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
<tr>
<td>13.</td>
<td>माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>465</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>516</td></tr>
<tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>498</td></tr>
</table>
</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>14.</td>
<td>माननीय केरल उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>259</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>250</td></tr>
<tr><td>2021 (29.07.2021 तक)</td><td>153</td></tr>
</table>
</td>
<td>यह रजिस्ट्री उनके विषय के आधार पर दायर जनहित याचिकाओं के विवरण का समेकन नहीं कर रही है, इसलिए यह कार्यालय मूल अधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ दायर जनहित याचिकाओं की संख्या प्रस्तुत करने की स्थिति में नहीं है।</td>
</tr>
</table>

<table>
<tr>
<td>15.</td>
<td>माननीय मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>544</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>570</td></tr>
<tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>373</td></tr>
</table>
</td>
<td>जनहित याचिका की प्रकृति में सभी रिट याचिकाएं मूल अधिकारों के उल्लंघन को चुनौती देने वाले भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के अधीन दायर की जाती हैं।</td>
</tr>
<tr>
<td>16.</td>
<td>माननीय मद्रास उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>2599</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>1966</td></tr>
<tr><td>2021 (26.07.2021 अब तक)</td><td>1153</td></tr>
</table>
</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए (मूल अधिकारों का उल्लंघन के संबंध में)</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>3</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>6</td></tr>
<tr><td>2021 (26.07.2021 अब तक)</td><td>3</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
<tr>
<td>17.</td>
<td>माननीय मणिपुर उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>53</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>51</td></tr>
<tr><td>2021 (27.07.2021 तक)</td><td>38</td></tr>
</table>
</td>
<td>उन जनहित याचिकाओं की पहचान करना मुश्किल है जिनमें मूल अधिकारों का उल्लंघन सम्मिलित है क्योंकि इसके लिए कोई अलग श्रेणी नहीं रखी गई है।</td>
</tr>
<tr>
<td>18.</td>
<td>माननीय मेघालय उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>20</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>13</td></tr>
<tr><td>2021</td><td>09</td></tr>
</table>
</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>प्रारंभिक शेष</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>3</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>5</td></tr>
<tr><td>2021 (30.06.21 की स्थिति के अनुसार)</td><td>5</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
<tr>
<td>19.</td>
<td>माननीय ओडिशा उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr>
<tr><td>2019</td><td>501</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>684</td></tr>
<tr><td>2021</td><td>373</td></tr>
</table>
</td>
<td></td>
</tr>
</table>

<table>
<tr><td>20.</td><td>माननीय पटना उच्च न्यायालय</td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr><tr><td>2019</td><td>601</td></tr><tr><td>2020</td><td>366</td></tr><tr><td>2021 (27.07.2021 तक)</td><td>505</td></tr></table></td><td></td></tr>
<tr><td>21.</td><td>माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय</td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr><tr><td>2019</td><td>275</td></tr><tr><td>2020</td><td>206</td></tr><tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>106</td></tr></table></td><td>विशेष रूप से मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में दायर जनहित याचिका से संबंधित कोई अलग श्रेणी उपलब्ध नहीं है। जनहित याचिका, जनहित याचिका नियम, 2010 की रखरखाव के अधीन न्यायालय में दायर की जाती है और सभी जनहित याचिकाओं को एक श्रेणी के रूप में सूचीबद्ध किया जाता है।</td></tr>
<tr><td>22.</td><td>माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय</td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr><tr><td>2019</td><td>448</td></tr><tr><td>2020</td><td>575</td></tr><tr><td>2021 (27.07.2021 तक)</td><td>401</td></tr></table></td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए (मूल अधिकारों का उल्लंघन के संबंध में)</th></tr><tr><td>2019</td><td>210</td></tr><tr><td>2020</td><td>229</td></tr><tr><td>2021 (24.07.2021 तक)</td><td>192</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>23.</td><td>माननीय सिक्किम उच्च न्यायालय</td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>संस्थित किए गए</th></tr><tr><td>2019</td><td>15</td></tr><tr><td>2020</td><td>10</td></tr><tr><td>2021</td><td>05</td></tr></table></td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए (मूल अधिकारों का उल्लंघन के संबंध में)</th></tr><tr><td>2019</td><td>5</td></tr><tr><td>2020</td><td>4</td></tr><tr><td>2021</td><td>3</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>24</td><td>माननीय तेलंगाना उच्च न्यायालय</td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>फाइल किए गए</th></tr><tr><td>2019</td><td>202</td></tr><tr><td>2020</td><td>316</td></tr><tr><td>2021 (29.07.2021) तक)</td><td>79</td></tr></table></td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>सुने गए</th></tr><tr><td>2019</td><td>7</td></tr><tr><td>2020</td><td>17</td></tr><tr><td>2021</td><td>06</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>25</td><td>माननीय त्रिपुरा उच्च न्यायालय</td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>संस्थित किए गए</th></tr><tr><td>09</td><td></td></tr><tr><td>2019</td><td>24</td></tr><tr><td>2020</td><td>12</td></tr><tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>08</td></tr></table></td><td></td></tr>
</table>

26.	माननीय उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय	वर्ष	फाइल किए गए
		2019	221
		2020	226
		2021 (30.06.2021 तक)	100

****